The Constitution of India

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA,
having solemnly resolved to constitute India into a
SOVEREIGN SOCIALIST
SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC
and to secure to all its citizens:

JUSTICE, social, economic and political;
LIBERTY of thought,
expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity;
and to promote among them all
FRATERNITY assuring the dignity of the
individual and the unity and
integrity of the Nation;

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY
this twenty-sixth day of November, 1949, do
HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO
OURSelves THIS CONstitution.
भारत का संविधान

हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक, और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म, और उपासना की स्वतंत्रता; प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरीबांत और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुत्व बदलने के लिए द्रढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख २६ नवम्बर, १९४९ ई (मिति मागशैष्ठिक शुक्ल सप्तमी, सम्बत दो हजार छह विक्रमी) को एतद्‌वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित, और आत्मापित करते हैं।